देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरूवार 17.04.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्सुकता, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के कंट्रोल रूम से अब तक 17 हजार से अधिक लोगों ने तीर्थयात्रा संबंधी जानकारी ली।
- कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल को केंद्र सरकार के 'पार्टनरशिप फॉर एकेडमिक एंड रिसर्च एडवांसमेंट' के तहत 100 करोड़ रुपये की बहु–संस्थागत शोध परियोजना में शामिल किया गया।
- देहरादून में महिला समूहों का धूप–अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण शुरू, पूजा सामग्री की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन के सिखाए जा रहे गुर।
- मौसम विभाग ने 20 अप्रैल तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी और ओलावृष्टि की चेतावनी दी।

चारधाम यात्रा उत्साह

चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के कंट्रोल रूम में चारधाम यात्रा को लेकर देश भर से रोजाना औसतन 638 कॉल आ रही हैं। 20 मार्च से पंजीकरण शुरू होते ही कंट्रोल रूम सक्रिय हो गया था और अब तक 17 हजार 853 लोगों को यात्रा से जुड़ी जानकारी दी जा चुकी है। लोग मुख्य रूप से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, जीएमवीएन टूर पैकेज, हेली सेवा और कपाट खुलने की तिथियों की जानकारी ले रहे हैं।

चारधाम यात्रा की शुरुआत 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ होगी। अब तक करीब अट्ठारह लाख लोगों ने तीर्थयात्रा के लिये पंजीकरण कराया है।

भाोध

कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल को केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की 'पार्टनरशिप फॉर एकेडमिक एंड रिसर्च एडवांसमेंट' योजना के तहत 100 करोड़ रुपये की बहु–संस्थागत शोध परियोजना में शामिल किया गया है। यह परियोजना भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के नेतृत्व में संचालित होगी, जिसमें देशभर से चयनित छह शोध समूहों में कुमाऊं विश्वविद्यालय भी शामिल है।

देश के 17 संस्थानों ने इस परियोजना के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे, जिनमें से सात संस्थानों को मिलाकर छह शोध समूह गठित किए गए। इस परियोजना में तीन प्रमुख शोध क्षेत्रों पर कार्य होगा, जिनमें प्लास्टिक कचरे से उच्च दक्षता वाले कार्बन नैनो–मैटेरियल्स व द्वि–आयामी नैनो–संरचनाओं से सुपरकैपेसिटर का निर्माण शामिल है। साथ ही जैव चिकित्सा क्षेत्र में प्रयुक्त चुम्बकीय व विद्युतचुम्बकीय विकिरण अवरोधक पदार्थों का विकास, और कैंसर उपचार के लिए नई औषधि वहन प्रणाली के निर्माण पर शोध किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीवान रावत ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह परियोजना शिक्षकों व विद्यार्थियों को अग्रणी संस्थानों के साथ भविष्य की तकनीकों पर काम करने का अवसर देगी। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय की शोध क्षमताओं को मजबूती मिलेगी और राज्य तथा देश के नवाचार आधारित विकास में योगदान सुनिश्चित होगा।

<u>वन संरक्षक निरीक्षण</u>

वन संरक्षक भागीरथी वृत्त धर्म सिंह मीणा ने नई टिहरी स्थित विभाग के क्रू स्टेशन और मास्टर कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वनाग्नि सुरक्षा प्रबंधन की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टिहरी वन प्रभाग और टिहरी डैम वन प्रभाग पहली बार एकीकृत नियंत्रण कक्ष बनने से वनाग्नि की घटनाओं में कार्यवाही करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि जिले के तीन शैडो एरिया में विभाग ने रेडियो रिपीटर स्टेशन स्थापित कर रहा है, जिससे इन क्षेत्रों में वनाग्नि संबंधित घटनाएं होने पर जानकारी मिल पाएगी।

<u>धूप अगरबत्ती प्रशिक्षण</u>

देहरादून जिला प्रशासन की ओर से स्वयं सहायता समूह की आजीविका संवर्धन के लिए देहरादून में महिलाओं को धूप–अगरबत्ती बनाने का पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को धूप–अगरबत्ती, पूजा सामग्री की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन के गुण सिखाए जा रहे हैं। महिलाओं को मंदिर के फूलों का प्रयोग करते हुए धूपबत्ती, बांस रहित अगरबत्ती और हवन सामग्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने चारधाम यात्रा के दौरान महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को आउटलेट के माध्यम से विपणन की व्यवस्था भी की है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने कहा कि जिले के कुछ विकासखण्डों में समूह की महिलाओं द्वारा काफी समय से धूप–अगरबत्ती बनाने का काम किया जा रहा है, लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में महिलाएं इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। उन्होंने कहा कि इस विशेष प्रशिक्षण के बाद महिलाएं आगामी चारधाम यात्रा के दौरान धूपबत्ती, अगरबत्ती, हवन सामग्री आदि की बिक्री करते हुए अपनी आजीविका में वृद्धि कर सकती हैं।

<u>मौसम</u>

मौसम विज्ञान विभाग ने आज से 20 अप्रैल तक प्रदेश के कई जिलों में आंधी और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार आज उत्तरकाशी, टिहरी, देहरादून, चंपावत और नैनीताल जिलों में कहीं–कहीं गरज–चमक के साथ बिजली चमकने की संभावना है।

19 और 20 अप्रैल के बीच प्रदेश के सभी जिलों में कहीं–कहीं तेज आंधी और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने इस अवधि के दौरान खुले में खड़ी फसलों और वाहनों को नुकसान की आशंका जताई है। किसानों को सलाह दी गई है कि कटाई की गई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।

भौक्षिक जागरुकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शैक्षिक चेतना जगाने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की उत्तराखंड शाखा की ओर से शैक्षिक जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा और अल्मोड़ा इंटर कॉलेज में छात्रों को नशे की कुप्रवृत्ति, जल संरक्षण, जल संवर्धन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, भ्रूण हत्या आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और समाज में प्रचलित भ्रांतियां दूर करना था। रेडक्रॉस सोसायटी के स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. जे.सी दुर्गापाल ने कहा कि बच्चों को शैक्षिक जागरुकता के लिए कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी दी गई और इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र अवश्य जागरूक होंगे।

कर संग्रह

राज्य कर विभाग के हल्द्वानी सम्भाग ने पिछले वित्तीय वर्ष में राज्य में सर्वाधिक 549 करोड़ रूपये से अधिक का कर संग्रह किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष में कर संग्रह की यह राशि वित्तीय वर्ष 2023–2024 की तुलना में 19 प्रतिशत से अधिक है। कुल कर संग्रह में नैनीताल जिले का सर्वाधिक 419 करोड़ रूपये से अधिक का योगदान है, जबकि बागेश्वर जिले से सबसे कम मात्र चौदह करोड़ बयानवें लाख रूपये का कर संग्रह हुआ है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण

पौड़ी में पुलिस की ओर से छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के गुर सिखाए गए। इस दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों के साथ ही गुड टच–बेड टच जैसी गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में छात्राओं ने प्रतिभाग कर एक – दूसरे के साथ आत्मरक्षा की तकनीकों को सीखा। इसके अलावा छात्राओं को बाल अपराधों और महिला उत्पीड़न आदि कानूनों की जानकारी भी दी गई। पुलिस लाइन पौड़ी में आयोजित कार्यशाला में अपर पुलिस अधीक्षक, संचार, अनूप काला ने छात्राओं को स्कूली जीवन से ही आत्मरक्षा की तकनीकी ज्ञान को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यशाला में पौड़ी नगर क्षेत्र के आठ विद्यालयों की 300 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया।